CBSE Class 8 Social Science Important Questions Civics Chapter 5 हाशियाकरण की समझ

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
आदिवासी शब्द का क्या अर्थ है?
उत्तर:
आदिवासी शब्द का मतलब है 'मूल निवासी'।

प्रश्न 2.
आदिवासी किन-किन की उपासना करते हैं?
उत्तर:
आदिवासी सामान्यतः अपने पुरखों की, गाँव और प्रकृति की उपासना करते हैं।

प्रश्न 3.
आदिवासी कौन लोग हैं?
उत्तर:
आदिवासी ऐसे समुदाय हैं जो जंगलों के साथ जीते आए हैं और आज भी उसी तरह जी रहे हैं।

प्रश्न 4.
भारत के किन राज्यों में आदिवासियों की संख्या अधिक है?
उत्तर:
भारत के छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, पश्चिमी बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड एवं त्रिपुरा राज्यों में आदिवासियों की संख्या अधिक है।

प्रश्न 5.
भारत में कौनसी भाषा बोलने वाले आदिवासियों की संख्या सर्वाधिक है?
उत्तर:
भारत में संथाली भाषा बोलने वाले आदिवासियों की संख्या सबसे ज्यादा है।

प्रश्न 6.
आदिवासी समुदाय बड़ी-बड़ी रियासतों और रजवाड़ों के अधीन क्यों नहीं रहे?
उत्तर:
आदिवासी समुदाय बड़ी-बड़ी रियासतों और रजवाड़ों के अधीन इसलिए नहीं रहे क्योंकि उनका जंगलों पर पूरा नियन्त्रण था।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
जब आदिवासियों को उनकी जमीन से हटाया जाता है तो वे क्या-क्या गँवा देते हैं?
उत्तर:
आदिवासियों को जब उनकी जमीन से हटाया जाता है तो वे अपनी आमदनी के स्रोत, परम्पराएँ तथा रीतिरिवाज गँवा देते हैं।

प्रश्न 8.
भारत में सबसे कम साक्षरता किस धार्मिक समुदाय की है?
उत्तर:
भारत में सबसे कम साक्षरता मुस्लिम समुदाय की है।

प्रश्न 9.
किस धार्मिक समुदाय की साक्षरता सबसे अधिक है?
उत्तर:
जैन समुदाय की।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
घेटोआइजेशन से क्या आशय है?
उत्तर:
घेटोआइजेशन शब्द ऐसे इलाके या बस्ती के लिए इस्तेमाल होता है जिसमें मुख्य रूप से एक ही समुदाय के लोग रहते हैं। घेटोआइजेशन इस स्थिति तक पहुँचने वाली प्रक्रिया को कहा जाता है। यह प्रक्रिया विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों पर आधारित हो सकती है। भय या दुश्मनी किसी समुदाय को एकजुट होने के लिए मजबूर कर सकती है क्योंकि अपने समुदाय के लोगों के बीच रहने पर उन्हें ज्यादा राहत मिलती है। इस समुदाय के पास आमतौर पर वहाँ से निकल पाने के ज्यादा विकल्प नहीं होते हैं जिसके कारण वह शेष समाज से कटता चला जाता है।

प्रश्न 2.
आदिवासियों के धर्म पर एक टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
आदिवासियों के बहुत सारे जनजातीय धर्म होते हैं। उनके धर्म इस्लाम, हिन्दू, ईसाई आदि धर्मों से बिल्कुल अलग हैं। वे प्रायः अपने पुरखों की, गाँव और प्रकृति की उपासना करते हैं। प्रकृति से जुड़ी आत्माओं में पर्वत, नदी, पशु आदि की आत्माएँ हैं। ये विभिन्न स्थानों से जुड़ी होती हैं और इनका वहीं निवास माना जाता है। ग्राम आत्माओं की अक्सर गाँव की सीमा के भीतर निर्धारित पवित्र लता कुंजों में पूजा की जाती है जबकि पुरखों की उपासना घर में ही की जाती है।

प्रश्न 3.
आदिवासियों के विस्थापन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
आदिवासियों को अनेक कारणों से अपनी जमीन से विस्थापित होना पड़ा है। यथा-
(1) आदिवासी इलाकों में खनिज पदार्थों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की भरमार रही है। इसीलिए इन

https://www.evidyarthi.in/

जमीनों को खनन और अन्य विशाल औद्योगिक परियोजनाओं के लिए बार-बार छीना गया है। सरकारी आँकड़ों से पता चलता है कि खनन और खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वालों में 50 प्रतिशत से ज्यादा केवल आदिवासी रहे हैं।

(2) आदिवासियों की बहुत सारी जमीन देश भर में बनाए गए सैकड़ों बाँधों के जलाशयों में डूब चुकी है। इन जगहों से उन्हें विस्थापित होना पड़ा है।

(3) भारत में 104 राष्ट्रीय पार्क और 543 वन्य जीव अभयारण्य हैं। इनका कुल क्षेत्रफल 1,59419 वर्ग किलोमीटर है। ये ऐसे इलाके हैं जहाँ मूल रूप से आदिवासी रहा करते थे। अब उन्हें वहाँ से उजाड़ दिया गया है।

(4) जनजातीय भूमि पर कब्जा करने में शक्तिशाली गुटों-सरकारी अधिकारियों, पूँजीपतियों और साहूकारों ने भी उनके भोलेपन का शोषण कर उनकी भूमि को हथियाया है और जिसके कारण भी उन्हें वहाँ से विस्थापित होना पड़ा है।

प्रश्न 4.
विस्थापित होने के बाद आदिवासियों की स्थिति में आये परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
अपनी जमीन और जंगलों से बिछुड़ने पर आदिवासी समुदाय आजीविका और भोजन के अपने मुख्य स्रोतों से वंचित हो जाते हैं। अपने परम्परागत निवास स्थानों के छिनते जाने की वजह से बहुत सारे आदिवासी काम की तलाश में शहरों का रुख कर रहे हैं। वहाँ उन्हें छोटे-मोटे उद्योगों, इमारतों या निर्माण स्थलों पर बहुत मामूली वेतन वाली नौकरियाँ करनी पड़ती हैं। इस तरह वे गरीबी और लाचारी के जाल में फँसते चले जाते हैं। विस्थापित होने के कारण अपनी आय के स्रोतों को गँवाने के साथ-साथ वे अपनी परम्पराएँ और रीति-रिवाज भी गँवा देते हैं जो उनके जीने और अस्तित्व के स्रोत हैं।

https://www.evidyarthi.in/